भक्ति करते छूटे मेरे प्राण

भक्ति करते छूटे मेरे प्राण

भक्ति करते, छूटे मेरे प्राण,
प्रभु / हरि जी, यही मांगूँ रे ॥
रहे जनम, जनम तेरा ध्यान,
प्रभु / हरि जी, यही मांगूँ रे ॥
भक्ति करते, छूटे मेरे प्राण...

तेरी भक्ति मे, खुद को, मिटाता चलूँ ।
तेरी महिमा, निरंतर, सुनाता चलूँ ॥
तेरा गाऊँ, सदा गुण गान,
प्रभु जी, यही मांगूँ रे...
भक्ति करते, छूटे मेरे प्राण...

तेरा मुखड़ा, मनोहर मैं, देखा करुँ ।
आठों याम, भजन तेरा, बोला करुँ ॥
रहे, अंत समय, तेरा ध्यान,
प्रभु जी, यही मांगूँ रे...
भक्ति करते, छूटे मेरे प्राण...

मेरी आशा, निराशा, करना नही ।
मेरे अवगुण, ह्रदय में, धरना नही ॥
रटूँ स्वाँस, स्वाँस तेरा नाम,
प्रभु जी, यही मांगूँ रे...
भक्ति करते, छूटें मेरे प्राण...

मेरे पाप, और ताप, मिटा देना ।
मुझको, चरणों का सेवक, बना लेना ॥
छूटे, काम क्रोध, और मद मान,
प्रभु जी, यही मांगूँ रे...
भक्ति करते, छूटे मेरे प्राण...

काल माया के, झूले में, झूलूँ नहीं ।
निस दिन तेरे, चरणों को, भूलूँ नहीं ॥
दाता देना, यही वरदान,
प्रभु जी, यही मांगूँ रे...
भक्ति करते, छूटे मेरे प्राण...

अपने, दासों का, दास बना लो मुझे ।
अपने, चरणों में, नाथ जगह दो मुझे ॥
देना, आ कर, दर्शन दान,

प्रभु जो, यहां मागूँ रे...
भक्ति करते, छूटे मेरे प्राण...
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36247/title/bhakti-karte-shootey-mere-pran

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |